Nijampur –Jaitane Shikshan Prasarak Mandals

ADARSH COLLEGE OF ARTS

Nijampur-Jaitane, Tal-Sakri, Dist. – Dhule
NAAC Reaccredited

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी

हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श एवम नारी विमर्श

12 सित्मबर 2020

ADARSH COLLEGE OF ARTS
Nijampur-Jaitane, Tal-Sakri, Dist-Dhule. 424305, Maharashtra
NAAC Accredited 2nd Cycle
(Affiliated to Kavayitri Bahinabai Chaudhari North Maharashtra University, Jalgaon)
राष्ट्रीय वेबिनार
हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श एवं नारी विमर्श
Chief Patrons
मा. प्रो.पी.पी.पाटील
कुलपति, के.बी.सी.एन.एम.यू.जलगांव
मा. प्रो.पी.पी.माहुलीकर
प्रो-व्हाईस चान्सलर,
के.बी.सी.एन.एम.यू, जलगांव
मा. प्रो.बी.वी.पवार
रजिस्ट्रार, के.बी.सी.एन.एम.यू.जलगांव
Chief Patrons
मा. श्री. दशरथ नारायण लाधव
अध्यक्ष,एन.जे.एस.पी. मंडळ, निजामपुर-जैताणे
मा. श्री शरदचंद्र जगन्नाथ शाह
अध्यक्ष, आदर्श कला महाविद्यालय, निजामपुर-जैताणे
मा. श्री.अजीतचंद्र जगन्नाथ शाह
अध्यक्ष, आदर्श विद्या मंदिर और जुनियर कॉलेज,निजामपुर जैताणे
प्रमुख आयोजक
डॉ. अशोक खैरनार
प्राचार्य, आदर्श कला निजामपुर-जैताणे
१२ सितंबर,२०२०
समय : सुबह १० से दोपहर २.३०
YouTube पर वेबिनार लाइव स्ट्रीमिंग होगी
Registration link
YouTube
उदघाटक, एवं बीजभाषक
प्रा. डॉ.विष्णुजी सरवदे
हैद्राबाद विश्व विद्यालय ,हैद्राबाद
प्रमुख अतिथी
प्रा डॉ. मधुश्री खराटे, कला वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय, बोदवड.
प्रमुख वक्ता
प्रा.डॉ. विजयप्रतापसिंग, राजकीय महाविद्यालय, अरनीया, बुलंदशहर.(उत्तर प्रदेश)
प्रमुख वक्ता
डॉ. बिमलेशजी तेवतिया प्राचार्या, कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय निझर(गुजरात)
प्रमुख अतिथी
प्रा.डॉ.सुनिलजी कुलकर्णी, हिंदी विभाग,क.ब.चौ. उ.म.वि.जळगाव
समारोप कर्ता
प्रा.डॉ. महेंद्रजी रघुवंशी उपप्राचार्य ग.तु.पाटिल महाविद्यालय, नंदुरबार.
प्रमुख आयोजक
प्रा.डॉ. अशोक खैरनार प्राचार्य आदर्श कला महाविद्यालय
समन्वयक
प्रा.डॉ. विजय ग. गुरव. हिंदी विभाग प्रमुख आदर्श कला महाविद्यालय.
कॉलेज के बारे में
निजामपुर-जैताणे शिक्षा प्रसार मंडल का आदर्श कला महाविद्यालय, निजामपुर-जैताणे, ता.साक्री जिला-धुले एक प्रसिद्ध संस्थान है जो महाराष्ट्र के धुलिया जिले के पहाड़ी क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्रदान करता है। आदर्श कॉलेज ऑफ आर्ट्स 1995 में पहाड़ी क्षेत्र के ग्रामीण और आदिवासी लोगों को उच्च शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया है। मूल्य आधारित और जीवन उन्मुख गुणवत्ता शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण और जनजातीय छात्रों को सशक्त बनाना महाविद्यालय का मिशन है। N.J.S.P मंडल के आदर्श कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स में UGC की 2f और 12 (B) की मान्यता है और कविवी बहिनाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव के साथ स्थायी संबद्धता है। हमारे कॉलेज को KBCNMU, जलगाँव द्वारा संचालित शैक्षणिक लेखा परीक्षा में 'A' ग्रेड से सम्मानित किया गया है।
हमारे कॉलेज को NAAC द्वारा 1.75 के सीजीपीए के साथ दूसरे चक्र में 'C' ग्रेड पर मान्यता प्राप्त है। कॉलेज ने विश्वविद्यालय स्तर, राज्य स्तर, राष्ट्रीय स्तर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार, सम्मेलन, कार्यशाला और वेबिनार आयोजित किए हैं। कॉलेज समावेशी शिक्षा प्रदान करता है। प्रवेशित छात्रों में 94% एससी / एसटी / ओबीसी / एनटी / एसबीसी श्रेणी के हैं जो पहाड़ी क्षेत्र से आते हैं। ज्यादातर छात्र पहाड़ी क्षेत्र से आते हैं जो पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं। गतिविधियों को सशक्त बनाने वाली लड़कियां युवती के व्यक्तित्व विकास, स्वयंसिद्धा कराटे शिविर, सॉफ्ट स्किल और खेल सुविधाओं जैसी सबसे मजबूत और बेहतरीन गतिविधियाँ हैं। हमारा कॉलेज महाराष्ट्र सरकार द्वारा एक लाख रुपये के 'जागर जनशिक्षा 'के पुरस्कार से सम्मानित है।
www.njspmaca.in
मिशन
मूल्य आधारित और जीवन उन्मुख गुणवत्ता शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण और आदिवासी छात्रों को सशक्त बनाना।
कॉलेज का स्थान ::
निजामपुर-जैताणे, धूलिया जिले में साक्री के उत्तर में लगभग 19 किलोमीटर दूर है। महाराष्ट्र राज्य राजमार्ग 17 (MSH 17) निजामपुर-जैताणे के करीब से गुजरता है। निजामपुर-जैताणे साक्री राज्य राजमार्ग पर है। निजामपुर-जैताणे साक्री तालुका में है।

आयोजन समिति

प्राचार्य सुभाषजी महाले (शहादा)
प्राचार्य डॉ रामचंद्रजी माली (धुळे)
उपप्राचार्य डॉ.आनंदजी पाटील (सक्री)
डॉ संजयज ढोढरे(धुळे)
डॉ जीजाबराव पाटील(पाचोरा)
डॉ संजयजी शर्मा (तळोदा)
डॉ गौतमजी कुवर (शहादा)
डॉ सुनीलजी पानपाटील (नंदुरबार)
डॉ योगेशीजी पाटील (धुळे)
डॉ आनंदजी खरात (पिंपळनेर)
डॉ.अशोकजी मराठे (दहिवेल)
डॉ .महेशजी गांगुर्डे (अक्कलकुवा)
डॉ.चंद्रभानजी सुरवाडे (नवापूर)
डॉ.रमेशजी जगताप (बामखेडा)
डॉ.अजितजी चव्हाण (शहादा)
डॉ.वनिताजी पवार (म्हसदी)
डॉ.करुणाजी अहिरे (साक्री)

अध्यापक और अध्याप्केत्तर सभी कर्मचारी आदर्श कला महाविद्यालय निजामपूर-जैताणे.

हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श एवं नारी विमर्श

राष्ट्रीय वेबिनार कार्यक्रम रूपरेखा

10.am to 2.३०pm — 12 September 2020

Time	Programme	Resource Person	Topic
10.00 a.m. to 11.30 a.m.	उद्घाटन समारोह	डॉ. अशोक खैरनार	प्रास्ताविक
		प्रा. डॉ.विष्णुजी सरवदे	बीजभाषण
		प्रा डॉ. मधुजी खराटे	हिंदी साहित्य
11.30 a.m. to 12.३० p.m	सत्र 1	प्रा.डॉ.विजयप्रतापसिंग.	हिंदी साहित्य मै किन्नर विमर्श
12.३० a.m. to 1.३० p.m.	सत्र २	डॉ. बिमलेशजी तेवतिया	हिंदी साहित्य मै नारी विमर्श
1.३० pm to २.३०p.m.	समारोप	प्रा.डॉ.सुनिलजी कुलकर्णी.	मुख्य अतिथि मंतव्य
		प्रा.डॉ. महेंद्रजी रघुवंशी	समारोप मंतव्य

* हिंन्दी साहित्य में किन्नर विमर्श एवम नारी विमर्श *

यह संगोष्टीका मुख्य विषय रहा है इस संघोष्टी हेतू कई महत्वपुर्ण महानुभाओका मार्गदर्शन हमे प्राप्त हुआ. जिनमे प्रमुख रुपसे मुंबई विश्व विद्यालय से प्रा. डॉ. विष्णूजी सरवदे, राजकिय महाविद्यालय अरनिया, बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) से डॉ. विजय प्रताप सिंह, विर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय सुरत (गुजरात) से प्रधानाचार्या डॉ. बिमलेशजी तेवतीया कवियत्री बहिणाबाई उत्तर महाराष्ट्र विद्यापिठ जळगाव से प्रा. डॉ. सुनिल जी कुलकर्णी तथा नंदुरबार जी.टी.पी. महाविद्यालय से प्रा. महेंद्र रघुवंशी उपस्थित रहे.

संगोष्टी के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अशोकजी खैरनार इन्होने अपने प्रस्तावनापर मंतव्य में महाविद्यालय की स्थापनासे लेकर आज तक का प्रवास, महाविद्यालय की रुप -रेखा, ध्येय तथा उद्देश क ी जानकारी प्रतिपादीत की. महाविद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक के प्रवास में कई उपलब्धीयों को स्वस्त कीया जिनमें महाविद्यालय को महाराष्ट्र सरकार की ओर से प्राप्त एक लाख रुपये का पुरस्कार (जानीव जागरांचा) प्राप्त हुआ. तथा महाविद्यालय की दो NAAC Cycle (NAAC, NAAC पुनप्रमानीत) जैसे कै कार्यक्रमोपर प्रकाश डाला. सातही प्रधानाचार्यजी ने यह भी बताया की महाविद्यालय ने कोरोना संक्रमण काल में अबतक अनेकाअनेक विषयो पर तेरह ऑनलाईन वेि बनारोंका आयोजन किया तो यह भी स्पष्ट किया की आजका यह वेि बनार हिंदी का चौदहा वेि बनार है ऐसा प्रतिपादीत करते हुऐ वेबिनार के सफल आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाए भी दी.

संगोष्टी के प्रमुख ि बजभाषक प्रा. डॉ. विष्णुजी सर्वदे मुं बई विश्वविद्यालय, मुंबई, आपणे प्रथमतहा कोरोना संक्रमण काल के महाविद्यालय के कोरोना काल के चौदवी राष्ट्रीय संगोष्टी का आज यहा उद्घाटन संपन्न हुआ एसा उदघोष्टीत करता हू. डॉ. सरवेदेजी ने अपणे बिज भाषण में हिंदी साहीत्य का महत्त्व, हिंदी साहित्य के साथ

साथ अन्यान्य भाषा साहित्य में प्र भावित किन्नर ोका महत्व तथा स्थान प्रतिपादित किया. आपने यह भी स्पष्ट किया की साहित्य में किन्नर और नारी विमर्ष जैसे कई विमर्ष प्रवाहित है जिनमें स्त्री विमर्श, वृध्द विमर्श, विकलांग विमर्श, आदि कई विमर्श साहित्यमें प्रवाहित है. जिनको लेकर आपने महत्त्वपुर्ण मार्गदर्शन किया किन्नरो का नारियोंका भारतीय समाज जिवन में स्थान, महत्त्व, दशा, दिशा आदि को सम झाते हुऐ संगोष्टी को हार्दिक शुभकामनाये दि.

संगोष्टी के प्रमुख वक्ता डॉ. विजय प्रताप सिंह राष्ट्रीय विश्व विद्यालय अरनिया (उत्तर प्रदेश) आपणे आपके मंतव्य में किन्नरो का समाज जिवन में स्थान, महत्त्व, आवश्यकता स्थिती-परिस्थिती आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किये. आपने यह स्पष्ट करणे की कोशीष की की किन्नरोंका समाज जिवन में रामायण महाभारत काल सें स्थान है अस्तीत्त्व है. फिर भी वह आज समाज में उपेक्षित है यह समजाया किन्नर शारिरिक दृष्टी से एक अंग न होणे के कारण किस प्रकार उपेक्षित है या तिरस्कृत है इस बात को प्रतिपादित किया और अपनी बात को विराम देते हुऐ संगोष्टी को शुभेच्छा प्रदान की.

राष्ट्रीय संगोष्टी के प्रमुख वक्ता प्राच ार्या बिमलेशजी तेवतिया कला, वाणिज्य, विज्ञान महाविद्यालय निझर(गुजराज) आपने नारी विमर्ष को लेकर अपने मनतव्य में समाज में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक नारी का स्थान आवश्यकता इस बात पर प्रकाश डाला, अ बला जिवन पु रुष समाज को सर्वस्व अर्पण कर अपने आप में पुर्ण होकर भी कैसे अपुर्ण है इस बात पर प्रकाश डाला. स्त्री अपने आप में कैसे अधुरी होते है. पुरुष जाती के अपुर्णत्व में पूर्णत्व कैसे इस बात को तुलनात्मक दृष्टी से सम झाने का प्रयास किया और संगोष्टी को सफल बनाते हेतु अपनी और से शुभकामना दि.

इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी के प्रमुख अतिथी प्रा. डॉ. सुनिलजी कुलकर्णी क वियत्री उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ जळगाव, आपने श्रोताओंको किन्नर विमर्श को लेकर यह समजाने का प्रयास किया की किन्नर मानव समाजमें अनेका अनेक नावो में रुपो में प्रचलित है किन्नरोंके प्रकार उनके स्थान, महत्त्व, दशा, दिशा,

कथा, व्यथा आदि बातों को समजाया समाजमें किन्नरोंके स्थान को लेकर उनके प्राचिन काल से इतिहास को लेकर कविता, काहनी, उपन्यास में उनके प्रदारपण को लेकर विस्तार से उनक ी पौराणिकता, ऐतिहासिकता को समजाया. साहित्य में एक विमर्ष के रुप में किन्नरो ने अपना स्थान कैसे किस प्रकार निर्माण किया, बनाया आदि बातो पर प्रकाश डाला.

इस एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी के स मारोह समापन कर्ता प्रा. डॉ. महेंद्रजी रघुवंशी ग.तु.पाटील महाविद्यालय नंदुर बार. आपने अपने मंतव्य में किन्नर समाज का इतिहास बताया किन्नर प्राचिन पुरातीन काल सें समाज जिवन में ही अपना अस्थित्व बनाकर नही चला तो साहीत्य में शास्त्र में भी अपना स्थान कैसे किस प्रकार बनाया इस बात को समजाया आर्थिक, सामाजिक स्तर पर वह किस प्रकार स्थानापन हुआ इस बात को समजाया. राजनिती में किन्नर का पदार्पण और स्थान, विवाह आदि प्रसंग में धार्मिक विधी विधान में किन्नोराका स्थान महत्त्व कैसे और किस प्रकार स्थापित किया इन सभी बातो को विस्तार से समजाया.

संगोष्टी के अंतिम चरण में महाविद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. अशोकजी खैरनार आदर्श कला महाविद्यालय निजामपुर जैताणे आपने संगोष्टी के विव्दानो महानु भावो संस्थाप्रमुखो को, उपस्थित श्रोताओं का हृदय से आ भार व्यक्त किया संगोष्टी का यशस्वीता का श्रेय उपस्थितो को प्रदान कर अपनी वानी को विराम दिया.

संगोष्टी के अंत में महाविद्यालय के हिंदी वि भाग अध्यक्ष प्रा. डॉ. विजय जी. गुरव आदर्श कला महाविद्यालय निजामपूर जैताणे इन्होने स भी म हानुभव, विव्दान, उपस्थीतो, संगणक यंत्रचालक प्रा. अज बराव इंगळे, प्रा. प्रियंका सुलाखे तथा प्राध्यापक ज्ञानेश्वर चव्हाण तथा उपस्थीत श्रोताओं का आ भार व्यक्त किया. राष्ट्रगित गाण हुआ इस प्रकार कार्यक्रम की सफलता को लेकर सबको धन्यवाद ज्ञापीत किया.

डॉ. विजय जी. गुरव
विभाग प्रमुख

प्राचार्य डॉ.ए.पी.खैरनार
प्राचार्य

प्रधानाचार्य डॉ. अशोकजी खैरनार हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संघोष्टी में संबोधन करते हुएँ

प्रो.डॉ विष्णू जी सवरवोदे हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में बीज भाषण करते हुएँ

प्रा. डॉ विजय प्रताप सिंह प्रमुख वक्ता के रुप में हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में मार्गदर्शन करते हुए

प्रा. डॉ मधुजी खराटे प्रमुख वक्ता के रुप में हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में मार्गदर्शन करते हुए

मा. प्रधानाचार्या डॉ. विमलेशजी तेवतीया प्रमुख वक्ता के रुप में हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में मार्गदर्शन करते हुए

प्रा. डॉ. सुनिलजी कुलकर्णी प्रमुख वक्ता के रुप में हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में मार्गदर्शन करते हुए

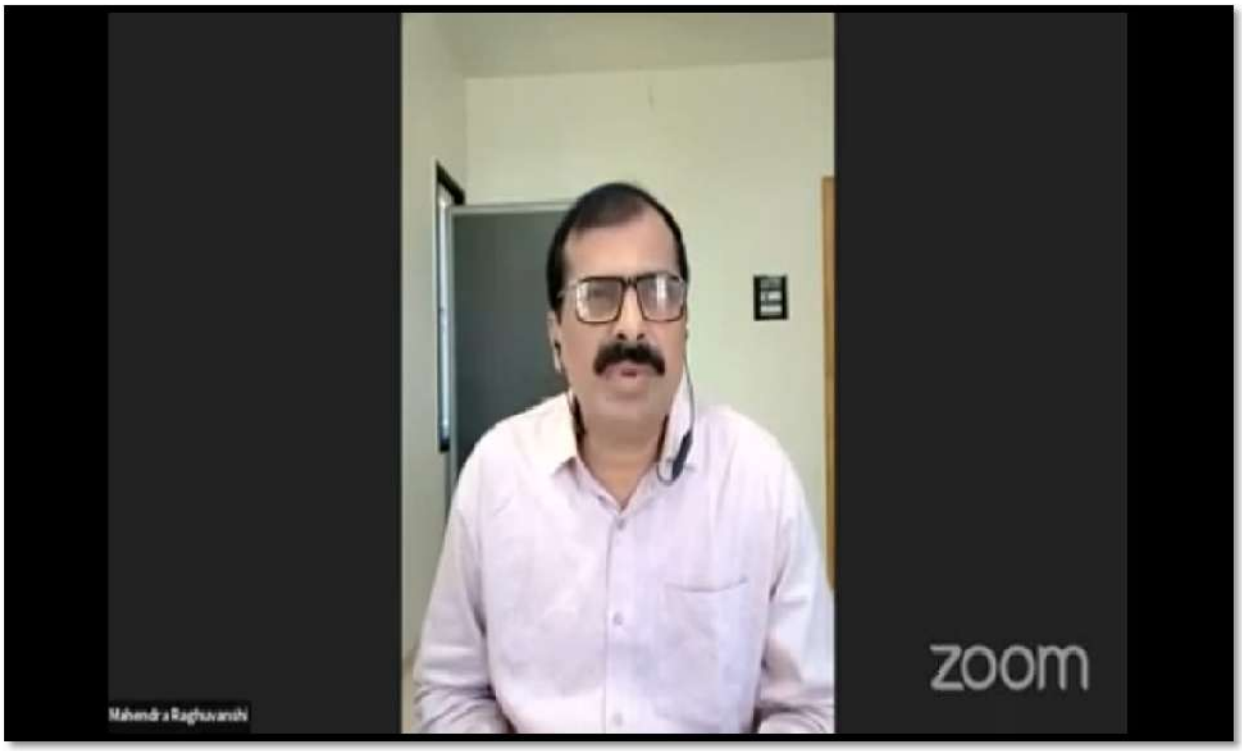

प्रा. डॉ. महेंद्रजी रघुवंशी कार्यक्रम समापनकर्ता के रुप में हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में मार्गदर्शन करते हुए

प्रा. डॉ. विजय जी. गुरव हिंदी एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्टी में आभार प्रदर्शन करते हुए

Media Coverage

आदर्श महाविद्यालयात राष्ट्रीय वेबिनार

निजामपूर : भारतीय संस्कृतीत महाभारत काळापासून किन्नर जातीचे महत्व तसेच नारी शक्तीचे समाजासाठी अमूल्य योगदान आहे, पण समाजाने या दोन्ही घटकांना वंचित ठेवण्याचा प्रयत्न केला आहे असे मत हैद्राबाद विश्व विद्यालयाचे प्रा. डॉ. विष्णु सरवदे यांनी व्यक्त केले.

निजामपूर-जैताणे शिक्षण प्रसारक मंडळाच्या आदर्श कला महाविद्यालयात हिंदी विभागातर्फे नुकताच राष्ट्रीय वेबिनार झाले. त्यात 'हिंदी साहित्य में किन्नर विमर्श एवम नारी विमर्श' या विषयावर वैचारिक मंथन झाले. वेबिनारचे उद्घाटन प्रा. डॉ. विष्णु सरवदे यांच्या बीज भाषणाने झाले. त्यांनी किन्नर यांचे जीवनदर्शन, व्यथा आणि आणि नारी जीवनाचे सामाजिक महत्त्व स्पष्ट केले. उद्घाटन सत्रात ओझर्डे महाविद्यालयाचे प्रा.डॉ.मधु खराटे यांनी हिंदी साहित्य व त्यातून प्रकट झालेले किन्नर जीवन आणि नारी जीवनातील व्यथा व महत्त्व मांडले. चर्चासत्रात प्रा डॉ. विजय प्रताप सिंग, अरुणिया-उत्तरप्रदेश, प्रा डॉ. त्रिमलेश तेवतिया, गुजरात, कवयित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठातील प्रा डॉ. सुनील कुलकर्णी, जी.टी. पाटील महाविद्यालय नंदुरबारचे उपप्राचार्य डॉ. महेंद्र रघुवंशी यांनी मार्गदर्शन केले. प्रास्ताविक प्राचार्य डॉ.अशोक खैरनार यांनी केले. हिंदी विभाग प्रमुख प्रा.डॉ. विजय गुरव यांनी प्रमुख पाहुण्यांचा परिचय करून दिला. चर्चासत्राचे तंत्र-संयोजन प्रा.अण्णाराव इंगळे, प्रा. ज्ञानेश्वर चव्हाण यांनी केले.

दै पुण्यनगरी १९ सप्टेंबर,२०२०

Certificate

Nijampur Jaitane Shikshan Prasarak Mandal's

ADARSH COLLEGE OF ARTS

Nijampur Jaitane Tal. Sakri, Dist. Dhule (MS)

E-CERTIFICATE OF APPRECIATION

This certificate is presented to Prof./Dr..... of ..... for being a Resource Person in One Day National Level Webinar on 'हिंदी साहित्य मैं किन्नर विमर्श एवं नारी विमर्श ' organized by Nijampur Jaitane Shikashan Prasarak Mandal's Adarsh college of Arts Nijampur-Jaitane, Tal. Sakri, Dist. Dhule-424305 (M.S.) held on 12 September, 2020.

Dr.Vijay Gurav
Convener

Dr. Ashok Khairnar
Principal

Feedback Analysis of Webinar